an>

Ttile: Regarding flood and drought situation in Bihar.

श्री अश्विनी कुमार चौबे (बक्सर) : सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए बहुत-बहुत साधुवाद। देश के कई राज्यों में बाढ़ एवं सुखाड़ का संकट उत्पन्न हो गया है। गंगा, कोसी सहित अन्य नदियों के कटाव से भारी समस्या प्रति वर्ष उत्पन्न हो जाने के कारण जीवन संकटमय हो जाता है। लाखों लोग बेघर हो जाते हैं। बिहार में बक्सर, कोईलवर तटबंध के मजबूतीकरण एवं उस पर सड़क निर्माण का काम काफी वर्षों से अधूरा पड़ा हुआ है। दर्जनों जगहों पर तटबंध टूटे हुए हैं जिनसे भीषण कटाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। वह तटबंध गंगा कटाव से उस क्षेत्र का बचाव करता है। उस पर सड़क निर्माण होना आवश्यक है। गंगा नदी के किनारे बाढ़/बरसात के बाद सिर्फ रबी फसल ही होती है। फिर हजारों एकड़ जमीन परती रह जाती है । विशेषकर बिहार में मेरे संसदीय क्षेत्र बक्सर और गृह क्षेत्र भागलपुर तक विभिन्न क्षेत्रों/टालों में बाढ़/बरसात के बाद हजारों एकड़ जमीन में सिर्फ रबी की फसल ही हो सकती है। गंगा नदी के किनारे लिफ्ट सिंचाई योजना का विस्तारीकरण होने से सालों भर गरमा फसल एवं सब्जियों का उत्पादन बढ़ेगा जो देश के लिए उन्नत होगा। बिहार में विशेषकर बक्सर से भागलपुर तक तथा उत्तर बिहार के दरभंगा सहित कई जिलों में सिंचाई के अभाव में सूखे का संकट उत्पन्न हो गया है। इंद्रपुरी बैराज के बक्सर (शाहबाद), औरंगाबाद होते हुए पटना तक विभिन्न नहरों में अंतिम छोर तक पानी नहीं आने के कारण लाखों हैक्टेयर जमीन सिंचाई से वंचित है जिससे लाखों किसानों में तबाही मची हुई है। अत: सरकार शीघ्र रिहंद (उत्तर प्रदेश) से इंद्रपुरी जलाशय में पानी उपलब्ध कराने, कटाव हेतु सभी बांधों की सुरक्षा, सुखाड़ हेतु कारगर कदम उठाने तथा उक्त बक्सर-कोइलवर तटबंध की पूर्णरूपेण मरम्मती सहित सड़क निर्माण की दिशा में अग्रतर कार्रवाई सुनिश्चित करे।